Edit with WPS Office

पाठ - 6

चतुर मछुआरा

विधा - चित्र कथा

शब्दार्थ. कापी कार्य

शौक - रुचि

तूफ़ान - तेज हवा

इनाम - पुरस्कार

ग़रीब - निर्धन

जान - प्राण

जोखिम - संकट, खतरा

हुजूर - श्री मान

ज़िद - हठ

ज़ोर - बल

बेईमान - धूर्त, बुरी नियत वाला

जेल - बंदीगृह

फाटक - बड़ा दरवाजा

तमतमा - चेहरा लाल

व्याख्यान -

मछुआरा अर्थात् मछली पकड़ने वाला। चतुर मछुआरा का अर्थ है-बुद्धिमान मछुआरा। यह पाठ चित्रकथा के माध्यम से लिखा गया है। इसमें मछुआरे के बुद्धि कौशल को दर्शाया गया है।

सोचो और बताओ कॉपी कार्य

(क) रामनगर के राजा का क्या नाम था?

(उ.) रामनगर के राजा का नाम कर्ण सिंह था।

(ख) एक दिन समुद्र में कोई भी मछली पकड़ने क्यों नहीं गया?

(उ.)एक दिन समुद्र में कोई भी मछली पकड़ने नहीं गया क्योंकि उस दिन समुद्र में भंयकर तूफ़ान आ गया था।

(ग) मंत्री के मन में क्या लालच आ गया?

Edit with WPS Office

(उ.) मछली को देखकर मंत्री के मन में इनाम पाने का लालच आ गया।

(घ) मछुआरे का हिस्सेदार कौन था?

(उ.) मछुआरे का हिस्सेदार मंत्री था।

निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दो कापी कार्य

(क) राजा कर्ण सिंह को क्या खाने का शौक था?

(उ.) राजा कर्ण सिंह को समुद्र से तुरंत पकडकर लाई गई मछली खाने का शौक था।

(ख) राजा ने नगर में किस बात की डंका पिटवाई?

(उ.) राजा ने नगर में डंका पिटवाई कि जो भी तुरंत पकड़ी हुई मछली लाएगा, उसे भरपूर ईनाम दिया जाएगा।

(ग) मछली पकड़कर कौन ले आया?

(उ.) एक गरीब मछुआरा अपनी ज़ान जोखिम में डालकर समुद्र से मछली पकड़कर ले आया।

(घ) मछुआरे ने ईनाम के रूप में राजा से क्या माँगा?

(उ.)मछुआरे ने कहा, "महाराज! ईनाम के रुप में मेरी पीठ पर पचास कोड़े मारे जाएँ।"